Daily Current Affairs

Date : 06 April, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	गौरांश शर्मा
2.	तारबंदी योजना
3.	मिशन हरियालो राजस्थान – मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. नरेन्द्र के. शर्मा 2. राम वाटिका
5.	भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष (UNDPF)
6.	युवा संगम
7.	कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS)
8.	अल नीनो
9.	पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbances)
10.	समान नागरिक संहिता (UCC)
11.	कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना
12.	F-15 लड़ाकू विमान
13.	INS अरिदमन

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

गौरांश शर्मा

चर्चा में क्यों?

- द्वितीय स्किल क्राफ्ट ओपन इंटरनेशनल फीडे रेटेड शतरंज टूर्नामेंट में जयपुर के गौरांश शर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** 27-29 मार्च, 2026, नई दिल्ली।
- इस प्रतियोगिता में विश्वभर से 1221 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- इससे पहले भी वे स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।
- शौर्य प्रभाकर 8/9 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

तारबंदी योजना

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार ने छोटे कृषकों की माँग को ध्यान में रखते हुए तारबंदी में 1.5 हैक्टेयर भूमि की बाध्यता को दूर करते हुए इसे 0.5 हैक्टेयर किया है।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** फसलों को आवारा पशुओं से बचाते हुए, किसानों की आर्थिक सुरक्षा एवं फसल उत्पादन बढ़ाना।

पात्रता:

1. किसान राजस्थान का निवासी हो।
2. 0.5 हैक्टेयर भूमि होना आवश्यक (व्यक्तिगत 0.5 हैक्टेयर भूमि न होने पर 2 या 2 से अधिक किसान समूह में भी योजना का लाभ ले सकते हैं।)
3. **सामुदायिक भागीदारी:** 10 या अधिक किसान को मिलाकर 5 हैक्टेयर भूमि अनिवार्य।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अनुदान राशि:

1. **सामान्यत:** कृषकों को लागत का 50 प्रतिशत अथवा ₹100 प्रति मीटर अधिकतम राशि ₹40000 (जो भी कम हो) प्रति कृषक 400 रनिंग मीटर तक अनुदान।
2. **लघु एवं सीमान्त किसान:** 60 प्रतिशत या ₹120 प्रति मीटर (अधिकतम राशि ₹48000)।
3. **सामूहिक योजना (10 किसान मिलकर):** 70 प्रतिशत या ₹140 प्रति मीटर (अधिकतम ₹56000)।

- **आवेदन प्रक्रिया:** राज किसान साथी पोर्टल पर ई-मित्र द्वारा।
- **आवश्यक दस्तावेज:** आधार कार्ड, जमाबंदी की नकल (6 माह से अधिक पुरानी नहीं हो), बैंक खाते से संबंधित विवरण, जन आधार कार्ड, लघु एवं सीमान्त प्रमाण पत्र।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

1. तारबंदी किये जाने से पूर्व व कार्य पूर्ण होने पर जियो टेगिंग।
2. अनुदान राशि कृषक के खाते में जमा।
3. कृषक समूह के प्रथम आवेदन कर्ता के आधार पर समूह की प्राथमिकता निर्धारण।
4. **वैधता:** चालू वित्तीय वर्ष।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मिशन हरियालो राजस्थान – मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान

चर्चा में क्यों?

- राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी हरित पहल है, जिसे राजस्थान में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण असंतुलन को ठीक करने के लिए शुरू किया गया है। मानसून 2026 के लिए प्रदेश भर में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

शुरुआत:

- इस मिशन की शुरुआत 7 अगस्त, 2024 को हरियाली तीज के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दूदू जिले के गाहोता में पीपल का पौधा लगाकर इस राज्यव्यापी अभियान का आगाज़ किया था।
- **5-वर्षीय लक्ष्य:** यह एक दीर्घकालिक योजना है जिसका लक्ष्य 2024 से 2028 के बीच कुल 50 करोड़ पौधे लगाना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संबंधित विभाग (Nodal Department)

- **मुख्य विभाग:** वन विभाग, राजस्थान सरकार (Forest Department, Govt. of Rajasthan) इस पूरे मिशन की नोडल एजेंसी है।
- **सहयोगी विभाग:** इसमें शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज (मनरेगा), और नगरीय निकाय (Urban Bodies) भी मिलकर काम कर रहे हैं।

प्रमुख निर्देश और रणनीति

1. स्थान चयन और समन्वय

- राजस्व विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग के साथ समन्वय।
- रेलवे परिसंपत्तियों, प्रमुख सड़कों और चारागाह भूमि में वृक्षारोपण।
- पहाड़ी और वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग।

2. पौधारोपण की तैयारी

- मानसून से पहले सभी तैयारियां पूरी करना।
- फेन्सिंग, खड्डे और सिंचाई व्यवस्थाओं को समय से पूरा करना।

3. पौधों का प्रकार और गुणवत्ता

- गूलर के वृक्षारोपण को प्राथमिकता।
- किसानों को निःशुल्क फलदार पौधे उपलब्ध कराना।
- मिट्टी की उत्पादकता का ध्यान रखते हुए वृक्षारोपण।

पिछले वर्षों का प्रदर्शन

- **2024 में 7 करोड़ लक्ष्य** → 7.22 करोड़ पौधारोपण।
- **2025 में 10 करोड़ लक्ष्य** → 11.74 करोड़ पौधारोपण।
- **पांच वर्षों (2024–2028) का लक्ष्य:** 50 करोड़ पौधारोपण।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्वपूर्ण तथ्य

- **10 करोड़ का वार्षिक लक्ष्य:** मानसून 2026 के लिए प्रदेश भर में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- **पर्यावरण संरक्षण:** इसका मुख्य उद्देश्य मरुस्थलीकरण (desertification) को रोकना, वायु की गुणवत्ता में सुधार करना और जैव विविधता को बढ़ावा देना है।
- **वार्षिक लक्ष्य (2024-25):** पहले वर्ष में 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- **बजट:** इस मिशन के लिए लगभग ₹4,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

नई पहल और सुविधाएँ

- **एक पेड़ माँ के नाम:** यह अभियान प्रधानमंत्री की "एक पेड़ माँ के नाम" पहल से प्रेरित है, जिसमें हर नागरिक को भावनात्मक रूप से पौधारोपण से जोड़ा गया है।
- **नमो नर्सरी और नमो वन:** मुख्यमंत्री ने हर जिले में कम से कम एक 'नमो नर्सरी' (Namo Nursery) स्थापित करने और हर पंचायत समिति में 'नमो वन' विकसित करने के निर्देश दिए हैं।
- **मातृ वन और राम वाटिका:** प्रत्येक जिले में 'मातृ वन' और धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व वाली 'राम वाटिकाएं' (जैसे बाँसवाड़ा की जगमेरू पहाड़ी) विकसित की जा रही हैं।
- **जियो-टैगिंग (Geo-tagging):** पौधों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए हर पौधे की जियो-टैगिंग की जा रही है और हर 4 महीने में उनकी फोटो अपडेट करने का नियम बनाया गया है ताकि उनकी उत्तरजीविता (survival) को ट्रैक किया जा सके।
- **नर्सरी विकास:** प्रदेश की वर्तमान 540 से अधिक नर्सरी को अपग्रेड किया जा रहा है और 50 नई नर्सरी बनाने की योजना है।
- चंदन वन की स्थापना के लिए चिन्हित स्थानों पर तारबंदी और ड्रिप सिंचाई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**नरेन्द्र के. शर्मा** ■ राजस्थान हाईकोर्ट ने नरेन्द्र के. शर्मा को हाईकोर्ट के ज्वाइन्ट रजिस्ट्रार के पद पर पदोन्नति दी है। ■ इससे पहले वे राजस्थान हाईकोर्ट के जयपुर बेंच में डिप्टी रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत थे।
2.	**राम वाटिका** ■ लव-कुश वाटिका के बाद उसी की तर्ज पर अब वन विभाग प्रत्येक जिले में 2-2 राम वाटिकाएँ स्थापित करेगा। ■ इसी के तहत् बाँसवाड़ा की जगमेरू पहाड़ी पर राम वाटिका विकसित की जा रही है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष (UNDPF)

चर्चा में क्यों?

- भारत और संयुक्त राष्ट्र ने भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष के संचालन की समीक्षा की।

मुख्य बिन्दु:

भारत-UNDPF:

- **प्रारंभ:** 2017 में 150 मिलियन डॉलर के साथ प्रारंभ किया गया, भारत सरकार के नेतृत्व में।
- **उद्देश्य:** सतत विकास लक्ष्यों और साझा समृद्धि को प्राप्त करने में ग्लोबल साउथ को सहायता करना।
- **विजन:** यह ग्लोबल साउथ के देशों के स्वामित्व और नेतृत्व वाली, मांग-संचालित और देश के नेतृत्व वाले सतत विकास परियोजनाओं का समर्थन करता है।
- **मुख्य ध्यान:** अल्पविकसित देश (LDCs) और लघु द्वीपीय विकासशील देश (SIDS)।
- **कार्यान्वयन:** संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय (UNOSSC) द्वारा प्रबंधित और भागीदार सरकारों के साथ संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा लागू किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

युवा संगम

चर्चा में क्यों?

- युवा संगम के छठे चरण के अंतर्गत संस्थानों द्वारा आयोजित एक्सपोजर टूर के लिए पंजीकरण संपन्न हुए, जिसमें 22 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे।

मुख्य बिन्दु:

युवा संगम

- यह भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित युवाओं के बीच आपसी संपर्क को मजबूत करना है।
- इसकी अवधारणा शिक्षा मंत्रालय द्वारा विभिन्न अन्य मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से तैयार की गई थी और इसे एक भारत श्रेष्ठ भारत के बैनर तले लॉन्च किया गया था ।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) परियोजना 31 अक्टूबर 2015 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच संबंधों को गहरा करके राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।
- इसका आयोजन काशी तमिल संगमम (केटीएस) के मॉडल पर सहयोगात्मक रूप से किया गया है।

यह कार्यक्रम फाइव पीज़ (पांच पी) के ढांचे द्वारा निर्देशित है:

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कार्यक्रम यात्रा:

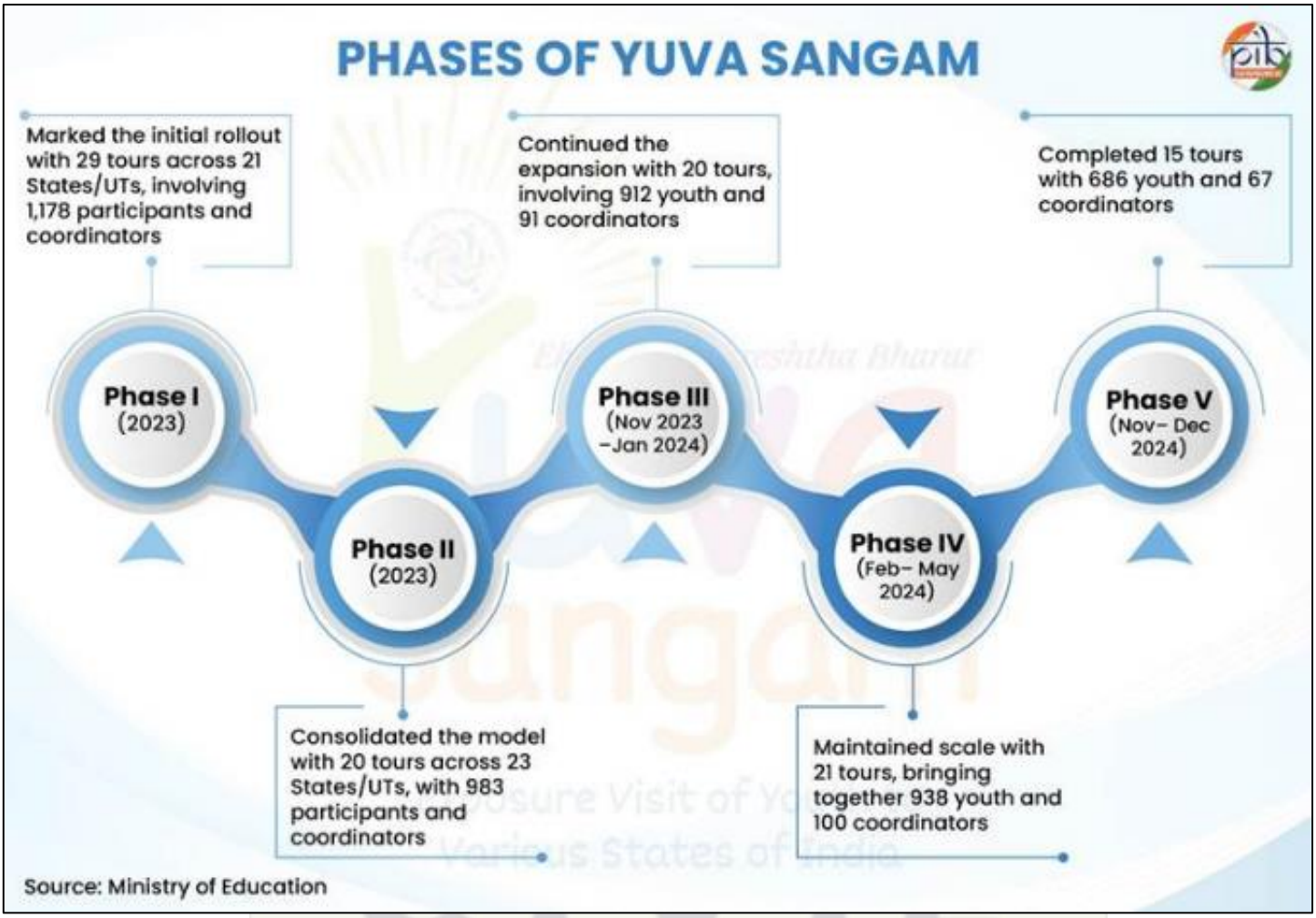

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS)

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के संदर्भ में स्थिति की समीक्षा करने और शमन उपायों पर विचार करने के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की एक विशेष बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्य बिन्दु:

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी

- यह भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा व्यय तथा रणनीतिक मामलों से संबंधित मामलों के लिए जिम्मेदार सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है।
- यह संकट की स्थितियों, रक्षा संबंधी मुद्दों और उच्च जोखिम वाले रणनीतिक निर्णयों पर विचार करता है।
- इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें रक्षा, गृह, वित्त और विदेश मामलों के मंत्री शामिल होते हैं, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं।
- यह भारत सरकार के व्यापार लेनदेन नियम, 1961 के तहत गठित एक गैर-संवैधानिक निकाय है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

अल नीनो

चर्चा में क्यों?

- अल नीनो की संभावित स्थिति के उभरने के साथ-साथ वैश्विक तेल कीमतों के रुझानों ने भारत में बढ़ती मुद्रास्फीति को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

मुख्य बिन्दु:

अल नीनो क्या है?

- अल नीनो मध्य-पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र के पानी का गर्म होना है जो हर कुछ वर्षों में होता है।
- अल नीनो के दौरान, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में सतह का तापमान बढ़ जाता है, और व्यापारिक हवाएँ, जो भूमध्य रेखा के पास चलने वाली पूर्व-पश्चिम हवाएँ हैं, कमजोर हो जाती हैं।
- **प्रभाव:** अल नीनो वाले वर्षों में, भारत को अधिक तापमान और कम वर्षा का सामना करना पड़ता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखा पड़ जाता है।
- इससे कृषि, जल संसाधन और पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

THE EL NIÑO PHENOMENON

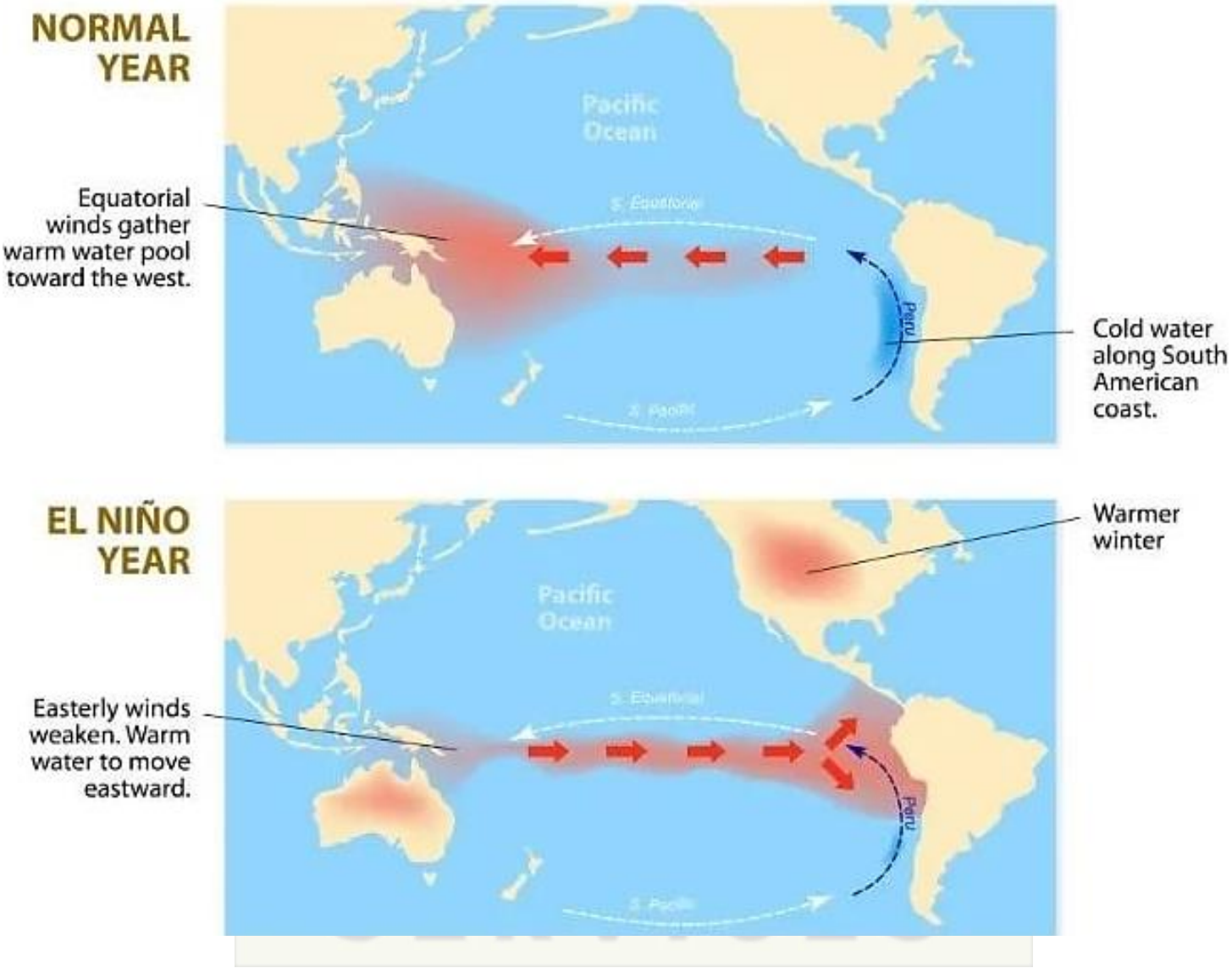

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbances)

चर्चा में क्यों?

- ऐसी संभावना है कि लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेंगे।

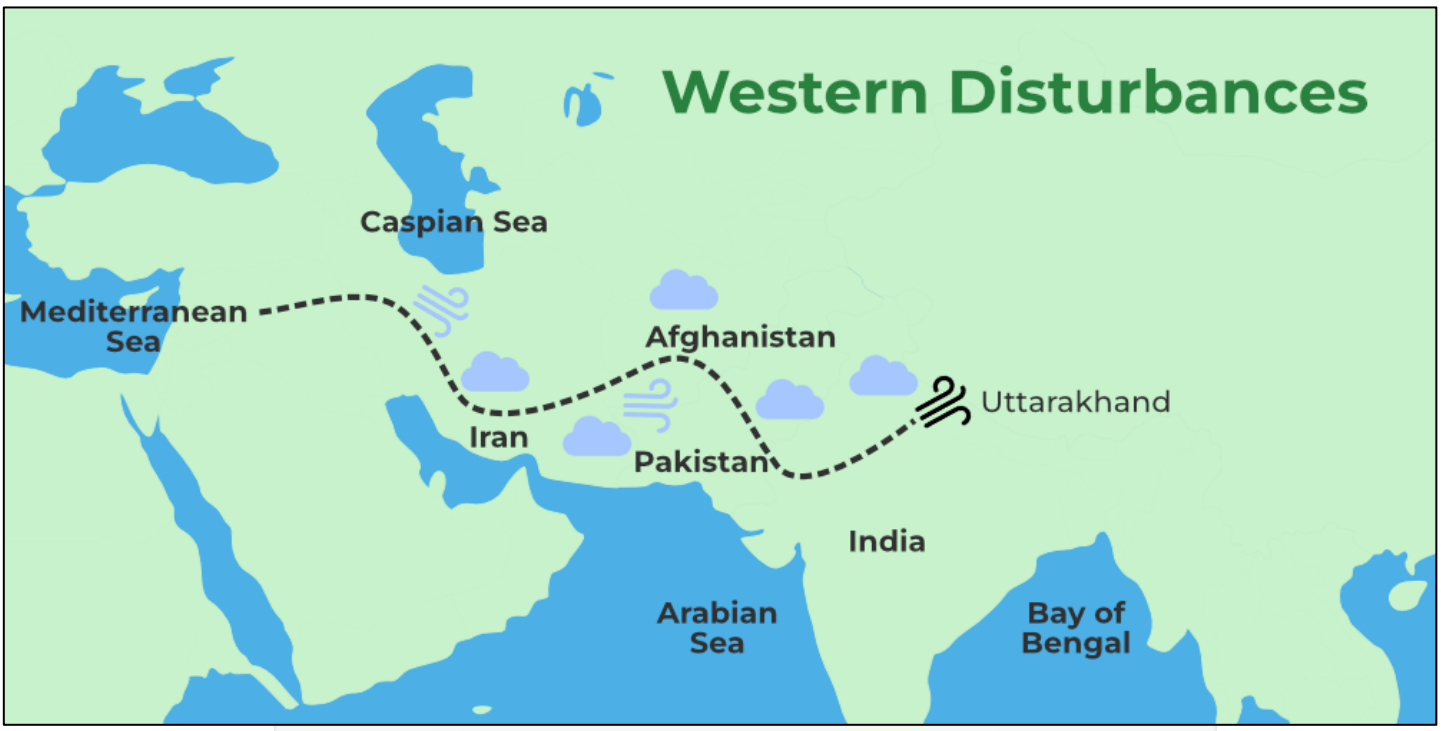

मुख्य बिन्दु:

पश्चिमी विक्षोभ (WDs):

- **उत्पत्ति और निर्माण:** पश्चिमी विक्षोभ भूमध्य सागर क्षेत्र में अलग-अलग प्रकार की वायु राशियों के परस्पर टकराव के कारण बनता है।
- ये मध्यम अक्षांशों की उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट धारा (SWJ) के भीतर मौजूद रहते हैं, जो इन्हें पूर्व दिशा की ओर ले जाती है।
- **मौसम और प्रभाव क्षेत्र:** ये मुख्य रूप से उत्तरी गोलार्ध के सर्दियों के मौसम (दिसंबर से मार्च) में सक्रिय रहते हैं और पश्चिमी हिमालय के साथ-साथ उत्तर भारत, पाकिस्तान और तिब्बती पठार के आसपास के क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं।
- **भारत के लिए महत्व:** रबी फसलों (जैसे- गेहूं, सरसों) के लिए महत्वपूर्ण, हिमालयी क्षेत्र में हिमनदों के पुनर्भरण आदि के लिए आवश्यक।
- **संबद्ध मौसम संबंधी खतरे:** भारी हिमपात, ओलावृष्टि, कोहरा, बादल फटना, हिमस्खलन, पाला और शीतलहर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समाजशास्त्र

समान नागरिक संहिता (UCC)

चर्चा में क्यों?

- गुजरात विधानसभा ने गुजरात समान नागरिक संहिता (UCC), 2026 विधेयक पारित किया। इस विधेयक के पारित होने के साथ, गुजरात उत्तराखंड के बाद समान नागरिक संहिता अपनाने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है।

मुख्य बिन्दु:

गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक

- **उद्देश्य:** विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, समान संपत्ति अधिकार और लिव-इन संबंधों को धर्म के आधार पर अलग-अलग नियमों के बजाय, सभी के लिए एक समान कानून के तहत लाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अपवाद:** इसके प्रावधान अनुसूचित जनजातियों (ST) और उन विशिष्ट समूहों पर लागू नहीं होंगे जिनके पारंपरिक अधिकारों को संविधान के तहत संरक्षण प्राप्त है।

मुख्य प्रावधान:

- द्विविवाह यानी एक से अधिक शादी प्रतिबंधित है। कोई भी व्यक्ति अपने जीवनसाथी के जीवित रहते दूसरी शादी नहीं कर सकता।
- लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों को इसका अनिवार्य पंजीकरण कराना होगा।

समान नागरिक संहिता (UCC)

- राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों (DPSP) के अंतर्गत संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य को निर्देश देता है कि वह पूरे भारत में सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करे।
- गोवा में, 1867 के पुर्तगाली नागरिक संहिता के तहत एक प्रकार की सामान्य नागरिक संहिता पहले से ही प्रचलन में है।

भारत में आवश्यकता:

- **विधि के समक्ष समता:** समान कानून अलग-अलग धर्मों के पर्सनल लॉ (जैसे-हिंदू विवाह अधिनियम, मुस्लिम पर्सनल लॉ यानी शरिया, आदि) का स्थान लेगा।
- महिलाओं के अधिकार उनके धर्म के अनुसार अलग-अलग होते हैं, और कई पारंपरिक कानून पुरुष प्रधान होते हैं। इससे महिलाओं को विरासत और संपत्ति में समान अधिकार नहीं मिल पाते।
- उच्चतम न्यायालय ने शाह बानो केस 1985, सरला मुद्गल केस 1995 जैसे कई मामलों में इन समस्याओं से निपटने के लिए UCC लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।
- **राष्ट्रीय एकता:** यह संहिता पर्सनल लॉ से धर्म को अलग करती है, जिससे सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्री ने आयातित पेट्रोलियम, अमोनिया और उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए भारत का रोडमैप प्रस्तुत किया। इसमें कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना पर प्रकाश डाला गया है।

मुख्य बिन्दु:

कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना:

- **मंजूरी:** 2024 में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए।
- **उद्देश्य:** कोयले से सिनगैस और मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देना। इसका लक्ष्य आयातित पेट्रोलियम, अमोनिया और उर्वरकों पर निर्भरता कम करना है।

श्रेणियां:

- **श्रेणी I:** PSU के नेतृत्व वाली परियोजनाएं।
- **श्रेणी II:** निजी क्षेत्र और PSU की परियोजनाएं।
- **श्रेणी III:** प्रदर्शन वाली और लघु पैमाने की परियोजनाएं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

F-15 लड़ाकू विमान

चर्चा में क्यों?

- हालिया मध्य-पूर्व संघर्ष के दौरान ईरान के ऊपर अमेरिका का एक F-15E स्ट्राइक ईगल मार गिराया गया।

मुख्य बिन्दु:

- F-15E स्ट्राइक ईगल दोहरी भूमिका वाला लड़ाकू विमान है। यह हवा-से-हवा और हवा-से-जमीन, दोनों प्रकार के मिशनों को पूरा करने में सक्षम है।
- वर्तमान युद्ध में इस्तेमाल किए गए अन्य विमानों/ हेलीकॉप्टरों में अमेरिका के A-10 वारथोग, F-18 और F-22 लड़ाकू विमान, ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर और ईरान के याक-130 आदि शामिल हैं।
- उपयोग किए गए प्रमुख ड्रोनों में ईरान का शाहेद-136 और अमेरिका का लुकास ड्रोन आदि शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

INS अरिदमन

चर्चा में क्यों?

- भारत की परमाणु-संचालित तीसरी पनडुब्बी 'INS अरिदमन' नौसेना में शामिल हुई। INS अरिदमन, भारत की अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बी (सबमरीन) है।

मुख्य बिन्दु:

भारत के परमाणु-संचालित पनडुब्बी कार्यक्रम

- उन्नत प्रौद्योगिकी पोत (Advanced Technology Vessel: ATV) कार्यक्रम तीन दशक से भी पहले शुरू किया गया था। इसमें निजी कंपनियों और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की भागीदारी रही, साथ ही रूस से सहयोग प्राप्त हुआ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत के लिए परमाणु-संचालित पनडुब्बियों का महत्व

- परमाणु त्रय (Nuclear Triad) की पूर्णता
- सामरिक प्रतिरोधक क्षमता (Strategic Deterrence)
- स्टील्थ और सहनशक्ति
- परमाणु सिद्धांत का विस्तार

भारत के परमाणु-संचालित पनडुब्बी

विशेषता	INS अरिदमन	INS अरिहंत	INS अरिघात
जल विस्थापन	7,000 टन	6,000 टन	6,000 टन
वर्टिकल लॉन्च ट्यूब्स	आठ	चार	चार
मारक क्षमता	K-15 (700 किमी), K-4 (3,500 किमी)	K-15 (700 किमी)	K-4 (3,500 किमी), K-15
परमाणु रिएक्टर	निर्दिष्ट नहीं	83 मेगावाट लाइट-वॉटर	83 मेगावाट लाइट-वॉटर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR